भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

**राज्‍य सभा 862**

(जिसका उत्तर 28 जुलाई, 2015/06 श्रावण, 1937 (शक) को दिया जाना है)

**पीएसबी द्वारा अशोध्‍य ऋणों को बट्टे खाते डालने संबंधी दिशा-निर्देश**

862. श्रीमती रेणुका चौधरी:

क्‍या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) द्वारा हजारों करोड़ रुपए के अशोध्‍य ऋणों को बट्टे खाते में डालने संबंधी कोई पारदर्शी प्रक्रिया अथवा दिशा-निर्देश हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्‍संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्‍या कारण हैं;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान वर्ष-वार एवं बैंक-वार पीएसबी द्वारा अशोध्‍य ऋणों के रूप में कुल कितनी धनराशि बट्टे खाते में डाली गई; और

(घ) पीएसबी द्वारा अशोध्‍य ऋणों को बट्टे खाते डालने के लिए दिशा-निर्देशों को तैयार करने और उन्‍हें जारी करने के लिए सरकार ने क्‍या-क्‍या नए कदम उठाए हैं?

**उत्तर**

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जयंत सिन्हा)

**(क) से (घ):** सरकारी क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) स्‍वायत्‍त निकाय हैं तथा वे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के विभिन्‍न दिशानिर्देशों के तहत अपने बोर्ड द्वारा निर्धारित नीतियों से अभिशासित होते हैं। विनियामक होने के कारण आरबीआई ने बैंकों के ऋण से संबंधित अधिकतर मुद्दों को अविनियमित कर दिया है तथा बैंकों को निवेश नीति, ऋण नीति, ऋण वसूली नीति इत्‍यादि के दस्‍तावेजों को तैयार करने तथा अपने निदेशक मण्‍डल से विधिवत रूप से अनुमोदित कराने का परामर्श दिया है। अनर्जक आस्‍तियों (एनपीए) की वसूली पर प्रत्‍येक बैंक की एक ऋण वसूली नीति होना अपेक्षित है जिसमें देयराशियों की वसूली का तरीका, घटोत्‍तरी हेतु लक्षित स्‍तर (अवधि-वार), अनुमत त्‍याग/माफी हेतु मानदण्‍ड, डीआरटी, सरफासी अधिनियम लोक अदालतें इत्‍यादि बैंकों को उपलब्‍ध जैसे विधिक समाधानों का उपयोग, समझौता निपटानों तथा एकबारगी निपटान कारकों जिन्‍हें कि माफी से पूर्व संज्ञान में लाया जाना है, निर्णय और विवेकाधीन स्‍तर, उच्‍च प्राधिकारियों को सूचित करना तथा बट्टे खाते डालने/माफी से संबंधित मामलों की निगरानी की प्रक्रिया निर्धारित हो।

आरबीआई के ये दिशानिर्देश उदारीकरण के समरूप हैं, जिनके अनुसार ऋण और संबंधित मामलों में आरबीआई द्वारा उपलब्‍ध कराए गए समग्र ढांचे के भीतर ऋण प्रदान करने के लिए बैंकों को व्‍यापक परिचालनात्‍मक स्‍वतंत्रता दी गई है।

पिछले तीन वर्षों के दौरान पीएसबी द्वारा वर्ष-वार तथा बैंक-वार बट्टे खाते डाले गए अशोध्‍य ऋणों की कुल राशि अनुबंध में दी गई है।

\*\*\*\*\*

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| ***अनुबंध*** | | | |
| **बट्टे खाते डाली गई कुल राशि का सरकारी क्षेत्र बैंक-वार आंकड़ा (रुपए करोड़ में)** | | | |
| **बैंक का नाम** | **वित्‍त वर्ष के दौरान समझौता सहित बट्टे खाते डाली गई कुल राशि - करोड़ रुपए** | | |
| **मार्च-13** | **मार्च-14** | **मार्च-15** |
| इलाहाबाद बैंक | 1,352 | 782 | 2,109 |
| आन्‍ध्रा बैंक | 334 | 263 | 1,124 |
| बैंक आफ बड़ौदा | 2,356 | 964 | 1,564 |
| बैंक आफ इंडिया | 2,415 | 1,767 | 801 |
| बैंक आफ महाराष्‍ट्र | 663 | 401 | 264 |
| भारतीय महिला बैंक लि. | - | - | - |
| केनरा बैंक | 1,535 | 1,591 | 1,472 |
| सेन्‍ट्रल बैंक आफ इंडिया | 1,061 | 1,995 | 1,386 |
| कार्पोरेशन बैंक | 709 | 463 | 779 |
| देना बैंक | 237 | 479 | 515 |
| आईडीबीआई बैंक लि. | 383 | 1,393 | 1,609 |
| इंडियन बैंक | 520 | 628 | 550 |
| इंडियन ओवरसीज बैंक | 1,642 | 1,474 | 3,131 |
| ओरियंटल बैंक आफ कामर्स | 1,416 | 1,252 | 925 |
| पंजाब एंड सिंध बैंक | 50 | 204 | 263 |
| पंजाब नैशनल बैंक | 997 | 1,947 | 6,587 |
| सिंडिकेट बैंक | 1,297 | 1,025 | 1,527 |
| यूको बैंक | 617 | 1,423 | 1,401 |
| यूनियन बैंक आफ इंडिया | 1,129 | 913 | 931 |
| युनाइटेड बैंक आफ इंडिया | 1,094 | 481 | 761 |
| विजया बैंक | 543 | 296 | 791 |
| स्‍टेट बैंक आफ बीकानेर एंड जयपुर | 463 | 399 | 363 |
| स्‍टेट बैंक आफ हैदराबाद | 343 | 31 | 355 |
| भारतीय स्‍टेट बैंक | 5,594 | 13,177 | 21,313 |
| स्‍टेट बैंक आफ मैसूर | 275 | 403 | 740 |
| स्‍टेट बैंक आफ पटियाला | 28 | 463 | 755 |
| स्‍टेट बैंक आफ त्रावणकोर | 176 | 196 | 526 |
| **सरकारी क्षेत्र के बैंक** | **27,231** | **34,409** | **52,542** |
| *स्रोत: आरबीआई-आफ साइट तुलन-पत्र ब्‍यौरा बैंकों द्वारा यथा सूचित, वैश्‍विक प्रचालन।* | | | |